Regarding erosion caused by Ganga River in Murshidabad, West Bengal.-laid

श्री खलीलुर रहमान **(**जंगीपुर**) :** 22 जुलाई 2024 को मैंने मुर्शिदाबाद के शमशेरगंज, लालगोला, गिरिया, नूरपुर और सूती में हो रही तबाही का मुद्दा उठाया था, जहां हजारों लोग विस्थापित हो रहे हैं । लेकिन जवाब में सिर्फ फरवरी 2023 में बनी एक कमेटी का जिक्र है, जो अब भी ?विचार-विमर्श? कर रही है । आखिर सरकार कब तक सिर्फ चर्चा करती रहेगी, जबकि लोग अपना घर-बार खो रहे हैं? सरकार इस गंभीर संकट को नजरअंदाज कर रही है । न कोई ठोस राहत योजना है, न कटाव रोकने के लिए अलग फंड, न ही कोई स्थायी समाधान । बाढ़ प्रबंधन योजना सिर्फ एक प्रस्ताव बनकर रह गई है, जिसका कोई निश्चित टाइमलाइन नहीं है । मैं मांग करता हूं कि पक्के तटबंध बनाए जाएं, रियल-टाइम मॉनिटरिंग हो और प्रभावित परिवारों का पुनर्वास किया जाए । फरक्का बैराज GM को गंगा के दाएं और बाएं किनारे पर 120 किलोमीटर के दायरे में ड्रेजिंग, किनारों की मजबूती और पुनर्वास के लिए ठोस कदम उठाने होंगे । सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी होगी, ना कि तब जब एक और गांव गंगा में समा जाए ।